महत्वपूर्ण एवं खास

धरमजयगढ़ के जलाशयों से खरीफ में किसानों को मिली सिंचाई सुविधा

रायगढ़। जल संसाधन संभाग, धरमजयगढ़ के कार्यपालन अभियंता सारथी ने बताया कि धरमजयगढ़ जल संसाधन संभाग के अंतर्गत निर्मित जलाशयों एवं व्यपवर्तनों से खरीफ वर्ष 2021-22 में 7851 हेक्टेयर का लक्ष्य रखा गया था। जिसके विरूद्ध शत-प्रतिशत लक्षित क्षेत्र में खरीफ फसल के लिए सिंचाई सुविधा उपलब्ध करायी गई एवं नहरों के अंतिम छोर तक पानी दिया गया। इस प्रकार लक्ष्य को 100 प्रतिशत प्राप्त किया गया, जिससे कृषकों में अत्यंत हर्ष व्याप्त है।

बेमौसम बारिश से फसलें हुई बर्बाद

रायपुर (आरएनएस)। अचानक हुई बेमौसम बारिश भी किसानों पर आफत बनकर टूट पड़ी। किसानों की सब्जी और रवि फसल दोनों ही तबाह हो गई। दरअसल सही शब्द है- 'किसान ही तबाह हो गए' फसलों को हुए भारी नुकसान से किसानों के माथे पर अब चिंता की लकीर छाई हुई है। बढ़ते संक्रमण से लेकर लॉक डाउन तक की हर समस्या से लड़ने की जद्दोजहद में अब सब्जियों और फसलों की बर्बादी ने किसानों को तोड़ के रख दिया। टमाटर-पपीता मिर्च की सब्जियों को भारी नुकसान तो हुआ ही, वही चना, मसुर, राहर, तिवरा की फसले भी चौपट हो गई हैं।

कोरोना संक्रमितों की पहचान के लिए जांच में तेजी, बीते सप्ताह 2.72 लाख सैंपलों की जांच

रायपुर (आरएनएस)। प्रदेश में कोरोना संक्रमितों की पहचान के लिए जांच की संख्या लगातार बढ़ाई जा रही है। बीते सप्ताह 3 जनवरी से 9 जनवरी के बीच दो लाख 71 हजार 912 सैंपलों की जांच की गई है। स्वास्थ्य मंत्री टी.एस. सिंहदेव ने कोरोना संक्रमण पर नियंत्रण के लिए विभाग को प्रतिदिन ज्यादा से ज्यादा संख्या में सैंपलों की जांच के निर्देश दिए हैं। उनके निर्देश पर स्वास्थ्य विभाग द्वारा सभी जिलों में रोजाना जांच की संख्या बढ़ाई गई है। प्रदेश भर में अभी रोज औसत 38 हजार 845 सैंपलों की जांच की जा रही है, जबकि पिछले महीने दिसम्बर के अंतिम सप्ताह में 25 दिसम्बर से 31 दिसम्बर के बीच यह औसत 20 हजार 256 थी। अभी करीब दुगुनी संख्या में सैंपलों की जांच हो रही है। प्रदेश भर में बीते सप्ताह 3 जनवरी को 27 हजार 646, 4 जनवरी को 37 हजार 705, 5 जनवरी को 37 हजार 393, 6 जनवरी को 48 हजार 829, 7 जनवरी को 44 हजार 773, 8 जनवरी को 46 हजार 495 और 9 जनवरी को 31 हजार 071 सैंपलों की जांच की गई है।

कार की टक्कर से बाइक सवार की हुई मौत

जगदलपुर (आरएनएस)। जिले के नगर पंचायत बस्तर के मांझीपारा के आगे माजीसा पेट्रोल पंप के पास बोलेरो व बाइक की भिड़ंत में एक व्यक्ति की मौत हो गई। बस्तर थाना प्रभारी सुरित सारथी ने बताया कि मृतक सोनारपाल निवासी कमल कश्यप अपनी बुलेट से बस्तर की ओर आ रहा था इसी दौरान विपरीत दिशा से आ रहे वन विभाग की बोलेरो का टायर फटने से वाहन अनियंत्रित होकर सीधे बाइक सवार से टकरा गई। जिससे उसे गंभीर चोटें आई। घायल को तत्काल 112 की मदद से बस्तर अस्पताल ले जाया गया, जहां घायल की गंभीर हालत को तत्काल जगदलपुर देखकर हॉस्पिटल रेफर किया गया जहां उपचार के दौरान घायल ने दम तोड़ दिया।

श्रमिक कार्ड बनवाने के नाम पर ग्रामीणों से ठगी करने वाले युवक-युवती गिरफ्तार

» आरोपियों से 1.66 लाख नकदी, लैपटॉप, मोबाइल, पेन कार्ड इत्यादि जब्त

» चक्रधरनगर क्षेत्र में किराया मकान लेकर ग्रामीण क्षेत्रों में करते थे रैकी

» श्रमिक कार्ड बनवाने के नाम पर लोगों से दस्तावेज लेकर लिये उनके फिंगर प्रिंट

रायगढ़। एसपी अभिषेक मीणा के दिशा निर्देशन एवं एडिशनल एसपी लखन पटले व सीएसपी योगेश कुमार पटेल के मार्गदर्शन पर चक्रधरनगर पुलिस द्वारा गोवर्धनपुर क्षेत्र के लोगों से श्रमिक कार्ड बनवाने के नाम पर लाखों की ठगी करने वाले शातिर युवक-युवती को गिरफ्तार कर रिमांड पर भेजा गया है।

आरोपीगण दिसम्बर माह में थाना चक्रधरनगर के गोवर्धनपुर के कियोस्क शाखा में रूपये निकालने आये लोगों को श्रमिक कार्ड बनवाने के लाभ बताकर उनसे उनके आधारकार्ड, बैंक पासबुक इत्यादि दस्तावेज प्राप्त कर उनका फिंगर प्रिंट डिवाइस (बॉयो मैट्रिक डिवाइस) पर लिया करते थे। उसके कुछ दिनों बाद कियोस्क शाखा से रूपये निकालने वालों के बैंक खाते से रूपये निकलने लगे थे। थाना चक्रधरनगर में श्रीमति दोमनिका कुजूर द्वारा खाते से 20,000 रूपये, श्रीमती रत्ना डनसेना द्वारा 1,19,300 रूपये तथा श्रीमती अंजली किसान द्वारा खाते से 1,44,859 रूपये निकलने की शिकायत किया गया था। इस संबंध में थाना चक्रधरनगर में अज्ञात आरोपियों पर क्रमशः अप.क्र. 11/2022, अप.क्र 22/2022 एवं 23/2022 धारा 420, 34 आईपीसी का दर्ज कर विवेचना में लिया गया।

विवेचना दरम्यान वरिष्ठ अधिकारियों के मार्गदर्शन पर थाना प्रभारी चक्रधरनगर निरीक्षक अभिनवकांत सिंह द्वारा पीड़ितों से पूछताछ कर अज्ञात आरोपियों के हुलिये की जानकारी लेकर पतासाजी की गई, आरोपियों के घटना कर फरार हो जाना पाया गया, जिनकी सूचना देने थाना प्रभारी द्वारा अपने मुखबिरों को सक्रिय किया गया था कि दोनों आरोपियों के आज केवड़ाबाड़ी बस स्टैंड के पास देखे जाने की सूचना पर चक्रधरनगर की पुलिस टीम दोनों युवक युवतियों को थाना लेकर गई। जिनसे कड़ी पूछताछ पर दोनों अपना गुनाह कबूल किये हैं। पूछताछ में आरोपी युवक अपना नाम पुष्पेन्द्र कुमार महंत पिता योगेन्द्र कुमार महंत उम्र 24 साल निवासी सेमरा थाना डभरा जिला जांजगीर चांपा और युवती भारती महिलांगे पिता विष्णु महिलांगे उम्र 20 साल निवासी जवानी थाना डभरा जिला जांजगीर चांपा बताये। युवक दोनों की पिछले दो साल से जान पहचान होना बताया। युवक बताया कि उसके पिता ट्रेलर चालक है तथा युवकी के पिता शिक्षक हैं। आरोपी पुष्पेन्द्र बताया कि दोनों एक-दूसरे को पसंद करते हैं, यू-ट्यूब से बॉयो मैट्रिक डिवाइस पर फिंगर प्रिंट लेना और उसका गलत इस्तेमाल करना सीखा है।

आरोपी पुष्पेन्द्र महंत अपने मेमोरंडम में बताया कि चक्रधरनगर में किराया मकान लेकर क्षेत्र की रैकी किया जिसके बाद गोवर्धनपुर इलाके में एक सप्ताह तक कैम्प किया इस दौरान लोगों को श्रमिक कार्ड बनावाने के नाम पर उनसे दस्तावेज और फिंगर प्रिंट बॉयो मैट्रिक डिवाइस पर ग्लू/फेवीकोल लगाकर लेता था बाद में उस फिंगर प्रिंट को अपने अंगूठे पर लगाकर कियोस्क शाखा से रूपये निकाल लेता था। आरोपी कई कियोस्क शाखा से रूपये निकालना बताया है, जिससे नकदी 1,56,000 रूपये, एक लैपटॉप, मोबाइल, पेन कार्ड, एटीएम कार्ड तथा आरोपिया के मेमोरंडम पर नकदी 10,000 रूपये की जप्ती की गई है। आरोपियों को धोखाधड़ी के उपरोक्त अपराध में गिरफ्तार कर रिमांड पर भेजा गया है। आरोपियों के इसी प्रकार धोखाधड़ी की शिकायत थाना डभरा में होने की जानकारी मिली है, अन्य थाना में अपराधों की जानकारी जुटाई जा रही है। थाना प्रभारी चक्रधरनगर टीआई अभिनव कांत सिंह, उप निरीक्षक दिनेश बोहिदार, सउनि महिपाल सिंह, प्रधान आरक्षक लोमेश राजपूत, सतीश पाठक, आरक्षक संदीप मिश्रा, चूड़ामणि गुप्ता, सुशील यादव, साइबर सेल प्रधान आरक्षक राजेश पटेल आरक्षक धनंजय कश्यप की आरोपियों की पतासाजी गिरफ्तारी में अहम भूमिका रही है।

केआईटी कालेज में बनेगा कोविड केयर सेंटर

» सीएमएचओ डॉ.केशरी ने किया निरीक्षण

रायगढ़। कलेक्टर भीम सिंह ने जिले में कोरोना के बढ़ते मामलों को देखते हुए कम लक्षण वाले कोविड मरीज और जिनके घरों में होम आईसोलेशन की सुविधा नहीं है एवं जो लोग होम आईसोलेशन के नियमों का पालन नहीं कर पा रहे है। ऐसे मरीजों के लिए कोविड केयर सेंटर बनाने हेतु सीएमएचओ डॉ.एस.एन.केशरी को निर्देशित किया था।

कलेक्टर सिंह के निर्देशानुसार केआईटी कालेज को कोविड केयर सेंटर बनाये जाने को लेकर सीएमएचओ डॉ.एस.एन.केशरी ने आज प्रातः कालेज का निरीक्षण किया। जहां नगर निगम को वहां की साफ-सफाई व्यवस्था की जिम्मेदारी सौंपी गई है। इसी तरह आदिवासी विकास विभाग, वन, विद्युत एवं स्वास्थ्य विभाग को आवश्यक व्यवस्था सुनिश्चित करने हेतु निर्देशित किया गया है। निरीक्षण के दौरान सीपीएम डॉ.राकेश वर्मा सहित कालेज के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

सरिया थाना प्रभारी के हाथ आया फरार पशु तस्कर

» आरोपी कृषिधन मवेशियों को भेजा करता था ओडिसा के बूचडखाने

» पिकअप वाहन में मवेशियों की तस्करी करते पकड़े गये थे आरोपी के दो साथी

» तीनों आरोपियों पर सरिया थाने में पशुकूरता अधिनियम के तहत की गई थी कार्रवाई

रायगढ़। सरिया थाना प्रभारी उप निरीक्षक कमल किशोर पटेल द्वारा पशुक्रूरता अपराध के फरार आरोपी बडे नावापारा के श्रीमत प्रधान को आज उसके गांव आने की मुखबिर सूचना पर दबिश देकर पकड़ा गया, आरोपी क्षेत्र से कृषिधन मवेशियों को अपने साथियों के मार्फत ओडिशा के बूचड़खाने भेजा करता था।

दिनांक 13/11/2021 को श्रीमत प्रधान मवेशी द्वारा वाहन क्र0 सीजी 09 जेएच 8245 में 08 नग मवेशी लोड कराकर अपने साथी कुश सदावर्ती पिता पुरी सदावर्ती उम्र 23 साल 3. किशन निषाद पिता श्रीराम निषाद उम्र 22 साल साकिनान बड़े नावापारा थाना सरिया के जरिये ओडिश भेजा गया था जिसे मुखबिर सूचना पर सरिया पुलिस द्वारा पकड़ा गया। गिरफ्तार आरोपियों द्वारा अपने मेमोरेंडम बयान पर श्रीमत प्रधान द्वारा मवेशियों की अवैध तस्करी करना बताया गया था जिस पर सरिया पुलिस तीनों के विरूद्ध छत्तीसगढ़ कृषक पशु परिरक्षण अधिनियम 2004 की धारा 4, 6, 10 के तहत अपराध कायम कर गिरफ्तार दोनों आरोपियों को रिमांड पर भेजा गया था। आरोपी श्रीमत प्रधान घटना के बाद से गांव से फरार था। थाना प्रभारी सरिया अपने मुखबिरों को आरोपी के देखे जाने पर सूचना देने निर्देशित किया गया था जिसे आज दिनांक 10.01.2022 को गांव में देखे जाने की सूचना पर थाना प्रभारी उप निरीक्षक के.के. पटेल अपने स्टाफ के साथ उसके गांव में दबिश देकर फरार आरोपी श्रीमंत प्रधान पिता दुर्लभ प्रधान उम्र 45 साल साकिन नावापारा थाना सरिया को गिरफ्तार कर रिमांड पर भेजा गया है।

फ्रंटलाइन, हेल्थ वर्कर तथा को-मॉर्बिड व्यक्तियों के लिए प्रिकॉशन डोज की हुई शुरूआत

» पहले दिन 1,940 लोगों ने लगवायी प्रिकॉशन डोज

रायगढ़। कोविड संक्रमण से सुरक्षा के मद्देनजर फ्रंटलाइन, हेल्थ वर्कर्स तथा को-मॉर्बिड व्यक्तियों के लिए कोविड टीके की प्रिकॉशन डोज लगाने की आज जिले में शुरूआत हुई है। टीकाकरण के इस चरण में ऐसे सभी फ्रंटलाइन वर्कर, हेल्थ वर्कर व 60 वर्ष से अधिक उम्र के कोमोर्बिड व्यक्ति जिनका प्रथम एवं द्वितीय चरण का टीकाकरण हुए 9 माह पूरे हो चुके है, को टीका लगाया जा रहा है। प्रिकॉशन डोज टीकाकरण के पहले दिन जिले में 01 हजार 940 लोगों ने टीका लगवाया।

कलेक्टर भीम सिंह के निर्देशन में सीएमएचओ डॉ.एस.एन.केशरी ने टीकाकरण केन्द्रों का मुआयना किया और प्रिकॉशन डोज के लिए पहुंचे लोगों से बात की। उन्होंने कहा कि कोरोना से बचाव के लिए टीकाकरण अत्यधिक महत्वपूर्ण है इसलिए नियत तिथि में टीकाकरण अवश्य कराएं, साथ ही दूसरे पात्र लोगों को भी टीकाकरण के लिए प्रेरित करें। उन्होंने बताया कि रायगढ़ शहर के साथ पूरे जिले में 60 वर्ष से अधिक उम्र के लोगों के प्रिकॉशन डोज लगाने के लिए टीकाकरण केन्द्र बनाए गए है। उन्होंने बताया कि व्यक्ति को पहले कोविशील्ड या कोवैक्सिन में से जिस टीके की दोनों खुराक लगी होगी उसी टीके का डोज ही लगेगा। इसके अतिरिक्त टीकाकरण की जानकारी के लिये नजदीकी स्वास्थ्य केन्द्र में भी संपर्क किया जा सकता है।

जिला टीकाकरण अधिकारी डॉ.बी.पी.पटेल से मिले आंकड़ों अनुसार शाम 5.30 बजे तक जिले में 01 हजार 940 लोगों को पहले दिन प्रिकॉशन डोज लगाया गया। जिसमें विकासखण्डवार घरघोड़ा में 130, सारंगढ़ में 330, बरमकेला में 387, खरसिया में 199, तमनार में 205, लोईंग में 115, पुसौर में 214, धरमजयगढ़ में 124, लैलूंगा में 12 और रायगढ़ शहरी में 224 लोगों को प्रिकॉशन डोज लगाया गया।

मौसम विभाग का अलर्टः राज्य के कई हिस्सों में बारिश के साथ ओलावृष्टि की संभावना

रायपुर (आरएनएस)। छत्तीसगढ़ का मौसम एक बार फिर बदला और रविवार की रात कई जिलों में बारिश हुई। मौसम विभाग ने सोमवार व मंगलवार दो दिनों तक प्रदेश के कई जिलों में बारिश व ओलावृष्टि की संभावना व्यक्त की है। मौसम में आए बदलाव के बाद ठंडी हवाओं से तापमान में भी अंतर आया। रायपुर, दुर्ग, राजनांदगांव, कबीरधाम, बेमेतरा, बिलासपुर जिलों में बारिश हुई। वहीं कुछ कुछ जगहों पर गरज के साथ छींटे भी पड़े हैं। छत्तीसगढ़ के कवर्धा जिले से लगे मंडला जिले के इलाके में भी रविवार को बारिश हुई और वहीं ठंडी हवाएं चली। बीते दिनों कवर्धा व सरगुजा इलाकों में जमकर बारिश होने के साथ ओले गिरे थे।

मौसम विज्ञानी एचपी चंद्रा ने बताया कि उत्तर पूर्व राजस्थान के ऊपर एक ऊपरी हवा का चक्रीय चक्रवाती घेरा स्थित है। यहीं से एक द्रोणिका पूर्वी राजस्थान, पश्चिमी मध्य प्रदेश होते हुए मराठवाड़ा तक 0.9 किलोमीटर ऊंचाई तक विस्तारित है। 10 जनवरी को प्रदेश के अनेक स्थानों पर हल्की से मध्यम वर्षा होने अथवा गरज चमक के साथ छींटे पड़ने की संभावना है। प्रदेश के सरगुजा संभाग बिलासपुर, दुर्ग संभाग के उत्तरी भाग और रायपुर संभाग के उत्तरी भाग में एक-दो स्थानों पर गरज चमक के साथ ओलावृष्टि भी संभावित है। अधिकतम तापमान में गिरावट होने की भी संभावना है। मौसम विभाग ने यलो अलर्ट जारी कर सावधानी बरतने कहा है।

6.89 करोड़ की लागत से बन रहा नेतनागर एनीकट, 260 हेक्टेयर भूमि होगी सिंचित

रायगढ़। रायगढ़ जिले के पुसौर विकासखण्ड के ग्राम नेतनागर के समीप गुजरता हुआ केलो नदी आसपास के गांव नवापाली, बिंजकोट, एकताल, रेंगालपाली सहित अन्य ग्रामों को सीचती हुई उड़ीसा में महानदी में जाकर मिलती है। छत्तीसगढ़ के पूर्वांचल के कृषकों को कृषि आवश्यकतानुसार नियमित रूप से उद्वहन सिंचाई द्वारा जल प्रदाय एवं निस्तारी किए जाने तथा किसानों की सुविधा के लिए ग्राम नेतनागर एवं एकताल के मध्य केलो नदी पर एनीकट बनने जा रहा है। जिसका शिलान्यास मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने वर्चुवली 14 जून 2021 को आयोजित कार्यक्रम में शिलान्यास किया था। कार्यपालन अभियंता जल संसाधन ए.एल.कुर्रे ने जानकारी देते हुए बताया कि एनीकट निर्माण के लिए निविदा की प्रक्रिया पूरी कर बीते 29 दिसम्बर को निर्माण कार्य के लिए ठेकेदार से अनुबंध कर लिया गया है। यह एनीकट 6 करोड़ 89 लाख रुपये की लागत से 11 माह में तैयार किए जाने की कार्ययोजना है। इस एनीकट के बन जाने से करीब 260 हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई की सुविधा मिलेगी।

यह नेतनागर एनीकट योजना निर्मित हो जाने के पश्चात जिले के पूर्वी क्षेत्र के जनजीवन की आवश्यकताओं को पूर्ति करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के साथ-साथ क्षेत्र के कृषि क्षेत्र में अतिरिक्त सिंचाई क्षमता का विकास किया जाना संभव होगा। चूंकि यह एनीकट कम काजवे है, जिसके निर्माण से ग्रामीणजन सुलभता से एक दूसरे के गांवों को कम समय में आवागमन की सुविधा प्राप्त कर सकेंगे। एनीकट निर्माण पश्चात यह एक जलाशय जैसा झील का सुंदर दृश्य प्रस्तुत करेगा जो जल संवर्धन के साथ-साथ नौकायान तैराकी इत्यादि मनोरंजन लोगों को प्राप्त करने वाली योजना जैसा होगा। इस प्रकार से छ.ग.राज्य में हो रहे विकास के क्रम में रायगढ़ जिले के पुसौर विकासखण्ड में निर्मित होने वाले एनीकट संरचना का भी भरपूर योगदान रहेगा।

गर्भवती माताओं एवं कुपोषित बच्चों को टिफिन से घर पहुंचा कर दिया जा रहा गर्म पौष्टिक भोजन

रायगढ़। मुख्यमंत्री सुपोषण अभियान के तहत कलेक्टर भीम सिंह के निर्देशन में जिले में कुपोषण मुक्ति की दिशा में लगातार कार्य किया जा रहा है। मुख्यमंत्री सुपोषण अभियान में प्राथमिक तौर पर कुपोषित बच्चों एवं गर्भवती माताओं के खान-पान का विशेष ध्यान रखा जा रहा है। जिले में कोविड-19 के बढ़ते संक्रमण के कारण वर्तमान में आंगनबाड़ी केन्द्रों को बंद कर दिया गया है, लेकिन गर्भवती, शिशुवती और कुपोषित बच्चों के स्वास्थ्य के मद्देनजर उन्हें आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं के द्वारा गर्म और पौष्टिक भोजन उनके घर में पहुंचा कर दिया जा रहा है। इसके अलावा बच्चों का स्वास्थ्य परीक्षण कर उन्हें पोषण पुनर्वास की सुविधा भी प्रदान की जा रही है।

इस अभियान में जिले के सभी सेक्टरों के सीडीपीओ, सेक्टर सुपरवाईजर एवं आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं की महत्वपूर्ण भूमिका है। जिनके माध्यम से कुपोषित बच्चों एवं गर्भवती व शिशुवती माताओं को ट्रैक कर उनके स्वास्थ्य और खानपान का विशेष ध्यान रखा जा रहा है। यह इसलिए भी आवश्यक हो जाता है क्योंकि गर्भवती माताओं का पोषण स्तर कम होने पर उसका सीधा असर बच्चे पर पड़ता है तथा बच्चा कुपोषित हो सकता है। इसके अलावा कई दफे घर में बच्चों के उचित देखभाल और आहार के अभाव में अधिकांश बच्चे कुषोषण के कुचक्र में आ जाते है। जिसके लिए शासन द्वारा एनआरसी केन्द्रों के संचालन किया जा रहा है। पोषण पुनर्वास केन्द्र के माध्यम से जिले के कुपोषित बच्चों का इसका लाभ भी मिला है। लेकिन कोविड के नए वेरिएंट के बढ़ते संक्रमण को देखते हुए बच्चों के स्वास्थ्य के लिहाज से जिले के एनआरसी सेंटर में बच्चों का स्वास्थ्य परीक्षण किया जा रहा है। स्वास्थ्य परीक्षण के पश्चात एनआरसी के मापदंड के अनुसार बच्चों का चयन का उन्हें एनआरसी की सुविधा दी जा रही है, ताकि कुपोषित बच्चा जल्द कुपोषण के कुचक्र से निकल सके।

कुपोषित बच्चों को समर्पित है पोषण पुनर्वास केन्द्र- पोषण पुनर्वास केन्द्र का मुख्य लाभ है कि यहां कुपोषित बच्चों को समर्पित है जहां बच्चों की उचित देखभाल के साथ ही खान-पान के रूटिन का भी विशेष ध्यान दिया जाता है। देखभाल और पौष्टिक भोजन के फलस्वरूप बच्चे शीघ्र सुपोषित हो जाते है। एनआरसी में बच्चों के मनोरंजन का विशेष ध्यान में रखा जाता है, यहां बच्चों के खिलौने व टीवी की व्यवस्था की गई है। एनआरसी केन्द्रों में स्वास्थ्य एवं पोषण से जुड़े शिक्षाप्रद वीडियो दिखाए जाते जिससे अभिभावक अपने बच्चों के स्वास्थ्य के प्रति जागरूक हो सके।

स्वामी, मुद्रक प्रकाशक तथा संपादक सी.बी.वर्मा द्वारा न्यायसाक्षी प्रिंटर्स, प्लॉट नं. 327, वार्ड नं. 24, श्रीराम कॉलोनी स्टेडियम के पीछे रायगढ़ से मुद्रित एवं प्रकाशित फोन 07762-221359 पी.आर.बी. अधिनियम के तहत् खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार ई-मेल - nyaysakshi@gmail.com- www.nyaysakshi.com RNI NO :- CHHHIN/2018/76480